ओम् शान्ति 2-1-17 मधुबन

दादी जानकी जी के 101 वें बर्थ डे की यादप्यार के रिटर्न में दादी जी के शब्दों में सबको यादप्यार

सभी ने पूरे विश्व से हमको इतने प्यार से, बाबा के दिल के सम्बन्ध से बर्थ डे की गिफ्ट भेजी है। यहाँ भी बहुत अच्छा बड़ा प्रोग्राम किया है। यह कमाल बाबा की है। यह जो प्राप्ति है सच्चाई, प्रेम, खुशी, शक्ति की लेन-देन जो सभी ने की है, इसके सिवाए तो और कुछ आता भी नहीं है। हंसा बहन सारे विश्व में नाम सहित सभी को यादप्यार लिख दो। जिन्होंने भी यादप्यार भेजी है, सबको पदमगुणा याद स्वीकार हो। मैं बाबा के क्या गुण गाऊं, बाबा ने सारे विश्व की सेवा कराई है। उसमें भी ना भाषा, ना धर्म, सब भेदभाव से परे बाबा लेकर गया है। मैं तो आप सबके यादपत्र ईमेल पढ़कर, वही प्यार नयनों में भरकर सबको याद दे रही हूँ। बाबा ने कैसे गोद में बिठाके गले माला बनाने के लिए पलकों में बिठाया है। पलकों में बिठाके पार ले जाकर वहाँ रहने की ऐसी टेव (आदत) डाली है, जो सेकण्ड में वहाँ पहुंच जाते। आज पढ़ा जैसे सूर्य उदय होने से चारों ओर रोशनी फैलती है, ऐसे आप भी बाबा की यादप्यार चारों तरफ सभी को भेज दो। अच्छा - सबको नये वर्ष की भी मुबारक हो। ओम् शान्ति।